ब्लॉक एक्शन ग्रुप

आशीष चन्द्र
(इं. प्रधानाध्यापक)
बेसिक विद्यालय, हसनापुर,
माल, लखनऊ

ब्लॉक एक्शन ग्रुप की अवधारणा– परिषदीय विद्यालयों में प्रायः शिक्षकों को शिक्षण कार्य के साथ–साथ काफी समस्याओं जैसे– विद्यालय में छात्र उपस्थिति, ड्रॉपआउट, विद्यालय अभिलेख रखरखाव, साफ–सफाई व अन्य समस्याओं से जूझना पड़ता है। एकल शिक्षक विद्यालय में संचालन की कठिनाई का अकेले ही समाधान करना काफी कठिन हो जाता है, जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता है और सीधा प्रभाव बच्चों के अधिगम स्तर व उपलब्धि स्तर पर पड़ता है। इसी समस्या को दूर करने हेतु 20 ऊर्जावान तथा कर्मठ शिक्षकों का समूह बनाकर ब्लॉक एक्शन ग्रुप का गठन किया गया।

नवाचार का विवरण– प्रायः शिक्षक गोष्ठियों में शिक्षक अपनी समस्या साझा करते हैं। उन विद्यालयों को चिन्हित करके ब्लॉक एक्शन ग्रुप द्वारा निश्चित दिनांक में एक दिवसीय विजिट का प्रस्ताव रखा जाता है और विद्यालय पहँचने की पूर्व सूचना सम्बन्धित प्राथमिक अध्यापक को कर दी जाती है। सभी ब्लॉक एक्शन ग्रुप सदस्य चिन्हित विद्यालय पहुँच कर कम आने वाले छात्रों की सूची

लेकर दो–दो शिक्षक की टोलिया बना कर उनके अभिभावकों से सम्पर्क करते हैं व उनकी काउन्सलिंग करते है। ब्लॉक एक्शन ग्रुप सदस्यों द्वारा विद्यालय न आने के कारण को जान कर अपने स्तर से उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाता है व बच्चों का नियमित विद्यालय भेजने का आग्रह किया जाता है। इसके साथ ही विद्यालय में शिक्षकों के साथ बैठ कर उनके अभिलेखों को पूर्ण करने में, विद्यालय परिसर की साफ–सफाई, कक्षाओं को सुसज्जित करने, पाठ योजनाएँ तैयार करने, टी0एल0एम0 के प्रयोग को बढ़ाने हेतु कक्षा–शिक्षण में स्वंय करके दिखाने में व प्रेरक कहानियों का वाचन करने में, समूह द्वारा सहयोग किया जाता है। 20 शिक्षकों को दस समूह में विभाजित करने से एक घंटे में लगभग 20–25 छात्रों के परिवार से सम्पर्क हो जाता है तथा लगभग 3–4 घंटे में एक विद्यालय की ड्रिल समाप्त हो जाती है और विद्यालय में अध्यापकों व छात्रों में नये विचारों व सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सकारात्मक प्रभाव– इसके लिये एक विशेष पोशाक भी बनायी गयी है। ब्लॉक एक्शन ग्रुप के गाँव भ्रमण के दौरान एक विशेष पोशाक सभी का ध्यान आकर्षित करता है। शिक्षकों द्वारा बतायी गयी समस्याओं को वहाँ पर उपस्थित खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा दूर किया जाता है। विद्यालय विकास योजना के क्रियान्वयन को प्रभावी बनाया जाता है। इस गतिविधि को नियमित रूप से करने

से नामांकन में वृद्धि व छात्र उपस्थिति में सुधार हुआ है। अभिभावकों द्वारा सराहना की जाती है, वे विद्यालय की समस्याओं को समझ पाते है और इस प्रकार समुदाय की सहभागिता में वृद्धि हुई है। जहाँ विद्यालय के शिक्षक पहले अपनी समस्या से अकेले जुझते थे वहाँ ब्लॉक एक्शन ग्रुप का सहयोग मिलने से उन्हें समस्या दूर करने में सहयोग मिल रहा है। जिसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षण की गुणवत्ता में भी परिलक्षित हो रहा है।

02 | HINDUSTAN TIMES

ht metro

Children get BAG-ful of motivation to join school

HT Correspondent

LUCKNOW: Several children in villages around Mal area have recently started going to school, courtesy teachers who have been going door-to-door, motivating them to give up house work and start studying for a better future.

Block Action Group (BAG) - a group of about 20 teachers - conducted counselling sessions and meetings with parents in these villages to increase enrollment rate in government schools. Beginning in April- May in the first phase, admissions have shot up in all government schools by nearly 10 , mainly due to their efforts.

"Teachers going out to motivate people for sending children to schools is an old practice. But it failed to yield any results in Mal area where enrollment rates were very poor. Children remained at homes or went to private schools-most of which are non-registered. So we thought of walking in a large group and adopting innovative means to attract people's attention and counsel them to send their children to school," said Ashish Chandra, assistant block resource coordinator.

He said besides motivating people, they had also started the procedure for closing down non registered schools that dupe villagers by charging a heavy fee and promising good English medium education," said Chandra.

As part of the drive, each BAG member visited at least four houses and did a thorough counseling of the family in one day. They held public meetings and activities in the villages to bring people out and motivate them for admissions. "The initiative is different from the past initiatives as we have tried to address the grassroots problems this time," added Chandra.

The group is planning to carry out yet another drive around Independence Day. "We are planning to make children design two flags and write their names on the back of the flag. On August 14, we will walk in the villages and distribute flags in every house. The homes where children do not go to school will top our list," said Chandra.

■ Members of Block Action Group motivating children to get enrolled in school in Malihabad on Tuesday. HT PHOTO

THE GROUP IS PLANNING TO CARRY OUT YET ANOTHER DRIVE AROUND INDEPENDENCE DAY